**जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय**
**जामिया मिल्लिया इस्लामिया**

**प्रेस विज्ञप्ति** **दिनांक: 14/11/2018**

# ग्रामीण पर्यटन विकास के लिए जामिया में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के पर्यटन और आतिथ्य प्रबंधन विभागमें 15-17 नवंबर, 2018 को "ग्रामीणता, ग्रामीणवाद, और ग्रामीणपर्यटन - चुनौतियां और उनके निर्वाहन रणनीतियों" पर एक त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन काआयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन पर्यटन मंत्रालय, भारतस रकार द्वारा प्रायोजित है।

इस तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन श्री विनोद जुत्शी, पूर्व सचिव, केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार और श्री नागेश सिंह, पूर्व संयुक्त सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार करेंगे। श्री एम. पी. बेज्बरुअह, पूर्व सचिव, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार; श्री एस. के. मिश्रा, पूर्व सचिव, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार; श्री सुजीत बनर्जी, सेक्रेटरी जर्नल, डब्लूटीटीसी, भारत, पूर्व सचिव पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार विशिष्ठ एवं मुख्य वक्ता के तौर पर शामिल होंगे। जबकि श्री मनीष सिसोदिया, उप मुख्यमंत्री एंव पर्यटन मंत्री, दिल्ली सरकार समापन समारोह की अध्यक्षता करेंगे।

अनुमान है कि ग्रामीण पर्यटन के माध्यम से 4300 करोड़ रुपये काअतिरिक्त राजस्व सृजित किया जा सकताहै। इस सम्मेलन का उद्देश्य ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में

समकालीन शोध की चर्चा करना है। इस सम्मलेन में ग्रामीण जीवन और ग्रामीण स्थानों के कला, संस्कृति और विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा, जिसमें कला और शिल्प, हैंडलूम

और वस्त्रों से सम्बंधित मुख्य क्षमता है और साथ ही साथ प्राकृतिक वातावरण आधारित सम्बद्धता भी है। इस दौरान भारतीय ग्रामीण पर्यटन

मंडली (ए.आर.टी.आई) की स्थापना करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की जाएगी।

इस अवसर पर प्रोफ़ेसर तान्या मिहालिक, लुबलियाना विश्वविद्यालय, स्लोवेनिया; श्री स्टीवबोर्जिया, चेयरमैन, भारतीय ग्रामीण समाज; श्री राज बासु, संस्थापक एंव निदेशक, हेल्प टूरिज़्मऔर सलाहकार, ग्रामीणपर्यटन, अरुणाचल प्रदेश सरकार; श्री जीवन वर्मा, मालिक, रोज़ होमस्टे एंव वालंटियर डायरेक्टर, रूरल ऑर्गनाइज़ेशन फॉर सोशल एलीवेशन (आर.ओ.एस.ई); श्री रश्मी सावंत, संस्थापक, कल्चरल आँगन और प्राफेसर डेज़ोकोवक्स, सेवानिवृत्त मानद प्रोफेसर, हंगरी; मैरी राजकोवस्की, फ्रांस; एजवेलक्लॉक्रेट, बेल्जियम; क्लासअर्लिच, लिथुवानिया; डेजोकोवास, हंगरी; जोसगोवेराब्रेनस,को स्टारिका मुख्य वक्तागण के रूप में शामिलहोंगे।

यह सम्मेलन ग्रामीण पर्यटन सम्बंधित विभिन्न हितधारकों को विकास के लिए भावी पर्यटन प्रवृत्तियों, विचारों, प्रभावों, पद्धतियों, सैद्धांतिक और व्यावहारिक दृष्टि कोणों पर चर्चा के लिए एक मंच पर लाने में मदद करेगा।

विभिन्न उपविषयों पर इच्छुक प्रतिभागियों से शोधपत्र, नीतिआलेख, केसस्टडीज, इत्यादि आमंत्रित किए जा रहे हैं जैसे की ग्रामीण पर्यटन स्थल के रूप में भारत की आकर्षण, ग्रामीण पर्यटन में वास्तविक बनाम बहस, ग्रामीण

पर्यटन शासन और सामुदायिक हिस्सेदारी, ग्रामीण पर्यटन विकास में गैर-सरकारीसंस्था की भूमिका, ग्रामीण पर्यटन के लिए क्षमता निर्माण इत्यादि।

अधिकजानकारीकेलिएसंपर्ककरें-conference.dthhhs@jmi.ac.in

**अहमद अज़ीम**
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक